X

हिंदी

Thiruvananthapuram educational district

HINDI WORKSHEET

13

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

I

ठाकुर का कुआँ

कहानी

प्रेमचंद

कक्षा 10

' ठाकुर का कुआँ 'कहानी पढ़कर गंगी और जोखू की चरित्रगत विशेषताएँ पहचानकर सही खभों में लिखें ।

- सामाजिक पाबंदियों को तोड़ने का मनोभाव रखती है ।
- यातनाएँ सहकर भी किसी से शिकायत नहीं करता है ।
- सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध मन–ही–मन विद्रोह करती है ।
- समाज के उच्च वर्ग से डरता है ।
- जाति- प्रथा से घृणा करती है ।
- यह समझता है कि उच्च वर्ग के विरुद्ध आवाज़ उठाने से कोई फायदा नहीं ।
- पति के स्वास्थ्य पर चिंतित है ।
- प्यास से परेशान होने पर भी ठाकुर के कुएँ पर जाने से मना करता है ।

Thiruvannapuram Educational Diostrict

गंगी

- .....
- .....
- .....
- .....

जोखू

- .....
- .....
- .....
- .....

II

कक्षा 10

' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का अंश पढ़कर नीचे दिए गए वाक्यों की सहायता से गंगी की डायरी की पूर्ति करें।

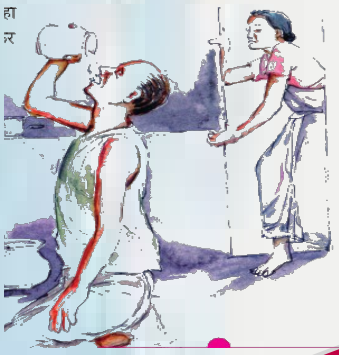

ठाकुर 'कौन है, कौन है?' पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी।

घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।

- बीमार जोखू तो बहुत प्यासा था।
- घड़े को पकड़कर जगत पर रखा ही था कि ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया।
- इतनी डर गई थी कि रस्सी हाथ से छूट गई।
- पर घर पहुँची तो जोखू वही गंदा पानी पी रहा था।
- अपने बीमार पति को मैं शुद्ध पानी तक नहीं पिला सकी।

तारीख

उफ़ ! आज कितना बुरा दिन था !

हम कितने अभागे हैं ? पीने का पानी तक नहीं मिलता।.................................

उसकी प्यास बुझाने के लिए मैं ठाकुर के कुएँ पर गई थी। फिर क्या था ? सोच भी न सकती।.................................

....

मैं क्या करती ? ....

.... मैं तो जान लेकर वहाँ से कूदकर भाग निकली

वरना क्या होता ? पकड़ी गयी होती तो समझो बस हो गयी बात !..............

....

अपनी विवशता पर मुझे शर्म आती है। छी ! कैसी व्यवस्था है ? ....

................................कब मिटेगी ये पाबंदियाँ ? ये मजबूरियाँ ?

Thiruvananthapuram Educational District

III

कक्षा 10

अपनी परेशानी के बारे में जोखू मित्र के नाम पत्र लिखता है l वह पत्र कल्पना करके लिखें l

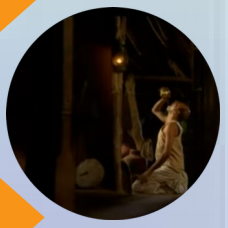

तुम कैसे हो ?

प्यास के मारे गला सूख रहा था l

हस्ताक्षर

नाक बंद करके पीना चाहा तो गंगी ने मना किया l

अंत में मुझे गंदा पानी ही पीना पड़ा l

कभी–कभी लिखा करो यार l

Thiruvananthapuram Education District

POSTCARD

स्थान.....

तारीख.....

प्रिय मित्र ,

.....ठीक है न ?

एक खास बात बताने के लिए मैं यह खत लिखता हूँ l

कई दिनों से मैं बीमार हूँ l

.....लोटे में पानी लेकर पीने को मुँह से लगाया तो सख्त बदबू के कारण पी न सका l

.....

मेरे मना करने पर भी गंगी दूसरा पानी लेने केलिए घड़ा लेकर चली गयी l घंटों तक मुझे प्यासा रहना पड़ा l .....

..... उस समय गंगी आई ,हाँफती हुई... दुखी होकर...ठाकुर के कुएँ से चुपके से पानी भरते ही ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया और गंगी वहाँ से किसी तरह बच निकली थी l मैंने उसे सांत्वना दी कि हम गरीब और अछूत है न ?

तुम्हारे परिवारवाले सब सुखी है न ? सबको मेरा प्रणाम l

.....

तुम्हारा मित्र

.....

जोखू

सेवा में

नाम,

पता

IV

वाक्य-पिरमिड़ की पूर्ति करें

कक्षा 10

जोखू पी रहा है।

.....

.....

जोखू मैला - गंदा पानी पी रहा है।

घड़ा गिरा।

घड़ा पानी में गिरा।

.....

.....

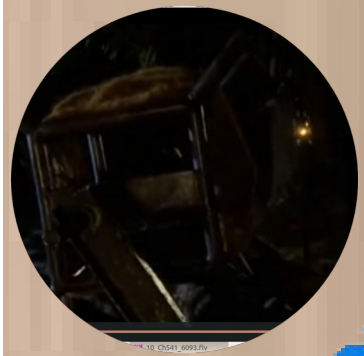

रोशनी आ रही थी।

रोशनी कुएँ पर आ रही थी।

.....

.....

Thiruvananthapuram Educational District